बरौनी और कटिहार के बीच की छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलना

4282. **श्री सीताराम केसरी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बरौनी और कटिहार के बीच की छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने की कोई योजना है; और

(ख) यदि हां, तो इस योजना के कब तक क्रियान्वित किये जाने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

सूडान को मसालों का निर्यात

4283. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री ओ० प्र० त्यागी :
श्री आत्म दास :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सूडान में भारतीय मसालों की बहुत मांग है,

(ख) क्या सरकार अन्य देशों में भारतीय मसालों की खपत बढ़ाने के लिये कोई योजना बना रही है; और

(ग) वर्ष 1966-67 के दौरान विभिन्न देशों को निर्यात किये गये मसालों की मात्रा तथा इससे कमायी गयी विदेशी मुद्रा राशि कितनी है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री विनेश सिंह) : (क) तथा (ख). जी, हां।

(ग) वर्ष 1966-67 में विभिन्न देशों को 26.2 करोड़ रुपये मूल्य के कुल 48,000 मेट्रिक टन मसालों का निर्यात किया गया।

आयात किये गये ट्रैक्टरों का मूल्य

4284. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रामावतार शर्मा :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री आत्म दास :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री ओ० प्र० त्यागी :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आयात किये हुए ट्रैक्टरों की कीमत देश में ही बनाये गये ट्रैक्टरों की कीमत से कम है,

(ख) क्या इसका कारण यह है कि आयात किये जाने वाले ट्रैक्टरों पर शुल्क कम लगता है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार भारतीय ट्रैक्टर निर्माताओं को प्रोत्साहन देने के बारे में एक योजना बना रही है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, हां।

(ख) कृषि के काम आने वाले ट्रैक्टर सीमा शुल्क से मुक्त हैं किन्तु देशी ट्रैक्टरों की कीमत कई कारणों से अपेक्षाकृत अधिक है। जैसे आयातित और देशी खरीदे गये पुर्जों की कीमत अधिक होती है, कच्चे माल की ऊंची कीमत है तथा कुछ ऐसे पुर्जों पर सीमा शुल्क देना पड़ता है जो कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त अन्य उद्योगों में भी इस्तेमाल किये जाते हैं।